

पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (ततार्रा-वामीरो कथा)

लीलाधर मंडलोई: जीवन परिचय

प्रस्तावना

भारतीय साहित्य में अनेक ऐसे रचनाकार हुए हैं जिन्होंने न केवल साहित्य को समृद्ध किया बल्कि जनमानस के जीवन और भावनाओं को गहराई से समझते हुए अपनी रचनाओं में उसे प्रतिबिंबित भी किया। ऐसे ही एक बहुआयामी व्यक्तित्व का नाम है —लीलाधर मंडलोई। एक उत्कृष्ट कव, गद्य कार, प्रसारण विशेषज्ञ और दूरदर्शन के महानिदेशक जैसे प्रशासनिक पद को संभालने वाले लीलाधर मंडलोई का साहित्यिक अवदान हिंदी जगत में विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

लीलाधर मंडलोई का जन्म 1954 की जन्माष्टमी के दिन छिंदवाड़ा जिले के एक छोटे से गाँव गुठी में हुआ। यह ग्राम्य परिवेश, वहाँ की मट्टी की सौंथी महक और जनजीवन की सरलता उनके व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा बन गई। बचपन से ही उनमें संवेदनशीलता और रचनात्मक सोच के बीज बोए जा चुके थे, जो आगे चलकर उन्हें एक प्रतिष्ठित साहित्यकार और प्रसारण विशेषज्ञ के रूप में स्थापित करने वाले थे।

लीलाधर मंडलोई की प्रारंभिक शिक्षा छिंदवाड़ा के आस-पास के क्षेत्रों में हुई, लेकिन उच्च शिक्षा के लिए वे भोपाल और रायपुर गए। यहाँ उन्होंने न केवल साहित्यिक ज्ञान अर्जित किया, बल्कि मीडिया और प्रसारण के क्षेत्र में भी विशेष दक्षता प्राप्त की।

प्रसारण क्षेत्र में कदम

लीलाधर मंडलोई की प्रतिभा और रुचि केवल साहित्य तक सीमित नहीं रही। उन्होंने प्रसारण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य किया। वर्ष 1987 में उन्हें कॉमनवेल्थ रिलेशंस ट्रस्ट, लंदन की ओर से प्रसारण की उच्च शिक्षा के लिए आमंत्रित किया गया। यह उनके लिए एक वैश्विक मंच पर कार्य करने का अवसर था, जहाँ उन्होंने आधुनिक संचार माध्यमों और वैश्विक मीडिया प्रणाली को गहराई से समझा।

वर्तमान में वे प्रसारण भारतीय दूरदर्शन के महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं। इस पद पर रहते हुए उन्होंने दूरदर्शन को जन-जन तक पहुँचाने, उसकी सामग्री की गुणवत्ता बढ़ाने और लोक संस्कृति को प्रमुखता देने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

साहित्यिक यात्रा की शुरुआत

लीलाधर मंडलोई मूलतः कव हैं। उनके लेखन में छत्तीसगढ़ अंचल की मठास, वहाँ की लोकभाषा, जीवनशैली, और संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। उनके साहित्यिक जीवन की शुरुआत कवता से हुई, लेकिन

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

आगे चलकर उन्होंने गद्य, रिपोर्टाज, यात्रावृत्त, डायरी, मी डया लेखन, और आलोचना के क्षेत्र में भी अपनी विशेष पहचान बनाई।

उनकी कविताओं में आमजन का जीवन, उनकी समस्याएँ, संघर्ष, उत्सव और भावनाएँ अत्यंत सहजता और सजीवता के साथ अभिव्यक्त होती हैं। यही कारण है कि उनके पाठक वर्ग में ग्रामीण से लेकर शहरी और युवा से वृद्ध सभी वर्गों के पाठक शामिल हैं।

प्रमुख साहित्यिक कृतियाँ

लीलाधर मंडलोई की रचनाओं की सूची लंबी है, लेकिन उनकी कुछ प्रमुख काव्य और गद्य रचनाएँ हिंदी साहित्य में विशेष स्थान रखती हैं:

1. घर-घर घूमा –

यह संग्रह ग्रामीण जीवन के अनुभवों, कस्सों और लोकसंस्कृति की आत्मा को उकेरता है। इसमें छत्तीसगढ़ी बोलचाल और जीवन की खुशबू है।

2. रात-बिरात –

यह काव्य संग्रह संवेदना, संकल्प और संघर्ष का अद्भुत मश्रण है। रात के अंधेरो और मन के उजालों को इसमें खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है।

3. मगर एक आवाज़ –

यह संग्रह आवाज़ों के माध्यम से जन-जन की पीड़ा, आकांक्षा और आशा को स्वर देता है। इसमें सामाजिक असमानताओं और अन्याय के वरुद्ध कवि की चेतना मुखर होती है।

4. देखा-अनदेखा –

यह कृति उनके यात्रा-वृत्तांत, सामाजिक टिप्पणियों और लेखों का संकलन है। इसमें मंडलोई का गद्य अपने गहरे समाजशास्त्रीय और मानवीय दृष्टिकोण से पाठकों को आकर्षित करता है।

5. काला पानी –

यह गद्य कृति अंडमान-निकोबार की जनजातियों पर आधारित है। इस पुस्तक में उन्होंने वहाँ के आदिवासी जीवन, उनकी संस्कृति, रहन-सहन और समस्याओं का सजीव और संवेदनशील चित्र प्रस्तुत किया है। यह एक तरह का समाजशास्त्रीय अध्ययन भी है।

शैली और विशेषताएँ

लीलाधर मंडलोई की लेखनी की सबसे बड़ी विशेषता है — सरलता में गहराई। वे कठिन और क्लिष्ट शब्दों से दूर रहते हुए भी पाठकों के मन में गहरे उतरते हैं। उनकी रचनाओं में लोकभाषा की मठास, स्थानीयता की पहचान, और सामाजिक यथार्थ की गूँज मलती है।

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

- जनजीवन से जुड़ाव –
उनकी क वताएँ और लेखन आमजन से जुड़ी होती हैं। वे गाँवों, कसानों, आदिवा सयों, महिलाओं और बच्चों के जीवन को आत्मीयता से समझते हैं और उसका चत्रण बेहद ईमानदारी से करते हैं।
- लोक संस्कृति का संरक्षण –
मंडलोई की लेखनी लोकगीत, लोककथाओं और क्षेत्रीय संस्कृति का दस्तावेज भी है। वे अपने साहित्य से सांस्कृतिक वरासत को संजोने का कार्य करते हैं।
- व वधता –
क वता, आलोचना, डायरी, यात्रा-वृत्त, मी डया लेखन — हर वधा में उनकी गहरी समझ और सशक्त पकड़ दिखाई देती है।

पुरस्कार और सम्मान

लीलाधर मंडलोई को उनके रचनात्मक कार्यों और प्रसारण जगत में योगदान के लए अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार और सम्मानों से नवाजा गया है। उनकी लेखनी ने न केवल साहित्यिक संस्थानों का ध्यान आकर्षित किया बल्कि पाठकों के मन में स्थायी स्थान बनाया है। कुछ प्रमुख पुरस्कारों में शामिल हैं:

- साहित्य अकादमी द्वारा सम्मान
- मध्यप्रदेश साहित्य परिषद् द्वारा व शष्ट सम्मान
- व भन्न साहित्यिक संगठनों द्वारा काव्य पाठ आमंत्रण
- मी डया क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा के लए राष्ट्रीय सम्मान

मी डया और साहित्य का सेतु

मंडलोई ने मी डया और साहित्य के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभाई है। उन्होंने मी डया में कार्य करते हुए साहित्य को केंद्र में लाने का प्रयास किया और साहित्यिक वषयों को जनसंचार के मंच पर प्रस्तुत किया। उनके द्वारा बनाए गए कई दूरदर्शन कार्यक्रम, वृत्त चत्र और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ साहित्यिक दृष्टिकोण से अत्यंत समृद्ध रही हैं।

समकालीनता और चेतना

लीलाधर मंडलोई का साहित्य समकालीन होते हुए भी सनातन मूल्यों की बात करता है। वे आधुनिक जीवन की जटिलताओं, शहरीकरण, उपभोक्तावाद और पर्यावरणीय समस्याओं को भी गंभीरता से उठाते हैं। उनकी रचनाओं में सामाजिक चेतना, न्याय की भावना, और साम्यवादी दृष्टिकोण प्रमुख रूप से उपस्थित हैं।

लोककथा और डायरी लेखन

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

लीलाधर मंडलोई का रुझान लोककथाओं और डायरी लेखन की ओर भी है। उनकी डायरी शैली में लेखनी बेहद आत्मीय होती है, जहाँ पाठक उनके अनुभवों को प्रत्यक्ष महसूस कर सकता है। वे लोककथाओं में न केवल मनोरंजन प्रस्तुत करते हैं बल्कि सांस्कृतिक मूल्यों और जीवन दर्शन को भी उजागर करते हैं।

साहित्य में योगदान की व्यापकता

लीलाधर मंडलोई का साहित्यिक योगदान केवल प्रकाशित पुस्तकों तक सीमा नहीं है। उन्होंने अनेक पत्रिकाओं, अखबारों, रेडियो कार्यक्रमों, और साहित्यिक मंचों पर अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। उनकी रचनाएँ देश-वदेश के पाठकों द्वारा पढ़ी और सराही गई हैं।

निष्कर्ष

लीलाधर मंडलोई न केवल एक प्रतिष्ठित कवि हैं, बल्कि एक चिंतक, समाजशास्त्री, लोकसंस्कृति के संरक्षक और मीडिया विश्लेषक भी हैं। उनका जीवन और लेखन एक प्रेरणा है कि कैसे कोई व्यक्ति अपनी जड़ों से जुड़कर, परंपराओं को समझते हुए, समकालीन विषयों को समाहित करते हुए, साहित्य और समाज को समृद्ध बना सकता है।

उनकी रचनाएँ आने वाली पीढ़ियों के लिए एक संवेदनशील दृष्टिकोण, लोकसंस्कृति की पहचान, और रचनात्मक चेतना की सीख देती हैं। लीलाधर मंडलोई का नाम हिंदी साहित्य में सदैव सम्मान, सरलता, और गहराई का प्रतीक बना रहेगा।

प्रश्न - अभ्यास:

मौखिक

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए।

प्रश्न 1. तताँरा-वामीरो कहाँ की कथा है?

उत्तर 1: यह कहानी अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह की है।

प्रश्न 2. वामीरो अपना गाना क्यों भूल गई?

उत्तर 2- अचानक समुद्र की एक लहर ने वामीरो को भगो दिया था, जिसके कारण वह अपना गीत भूल गई।

प्रश्न 3. तताँरा ने वामीरो से क्या याचना की?

उत्तर 3- तताँरा ने वामीरो से क्षमा माँगी और अपना नाम बताने का निवेदन किया।

प्रश्न 4. तताँरा और वामीरो के गाँव की क्या रीति थी?

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

उत्तर 4- उनके गाँव में यह नियम था क ववाह या संबंध बनाने के लए दोनों व्यक्तियों का एक ही गाँव का होना अनिवार्य था।

प्रश्न 5. क्रोध में तताँरा ने क्या किया?

उत्तर 5- क्रोध में तताँरा ने अपनी तलवार धरती में गाड़ दी, जिससे धरती दो हिस्सों में बँट गई। यही कारण है क वे आज दो अलग-अलग द्वीप के रूप में मौजूद हैं।

ल खत

(क) निम्न ल खत प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) दीजिए-

प्रश्न 1. तताँरा की तलवार के बारे में लोगों का क्या मत था ?

उत्तर 1- (i) लोगों का मानना था क तताँरा की तलवार, लकड़ी की होने के बावजूद, अद्भुत शक्ति से भरपूर है, और यह शक्ति दैवीय है।

(ii) यह तलवार रहस्यमय और वशेष थी, क्यों क उसके पीछे तताँरा के साहसक कार्यों की कहानी छिपी थी।

प्रश्न 2. वामीरो ने तताँरा को बेरुखी से क्या जवाब दिया?

उत्तर 2- वामीरो ने तताँरा से बेरुखी दिखाते हुए कहा, "पहले यह बताओ क तुम कौन हो। मुझे इस तरह घूरने और इस असामान्य सवाल का कारण क्या है? मैं अपने गाँव के अलावा कसी अन्य गाँव के युवक के सवालों का जवाब देने के लए बाध्य नहीं हूँ।"

प्रश्न 3. तताँरा - वामीरों की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया?

उत्तर 3- (i) तताँरा -वामीरो की मृत्यु के बाद द्वीप दो हिस्सों में बँट गया।

(ii) इस घटना के बाद दूसरे गाँवों में भी वैवाहिक संबंध स्थापित होने लगे।

प्रश्न 4. निकोबार के लोग तताँरा को क्यों पसंद करते थे?

उत्तर 4- (i) उनकी मृत्यु के बाद द्वीप दो हिस्सों में बँट गया।

(ii) इस घटना के बाद, व भन्न गाँवों के बीच वैवाहिक संबंध बनने लगे, जो पहले असामान्य था।

(ख) निम्न ल खत प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) ल खए-

1. निकोबार द्वीपसमूह के वभक्त होने के बारे में निकोबारियों को क्या वश्वास है?

उत्तर 1:

(i) एक ही द्वीप का वश्वास: निकोबार द्वीप समूह के निवासियों का मानना है क पहले निकोबार और लटिल अंडमान एक ही द्वीप का हिस्सा थे।

(ii) तताँरा की भूमिका: स्थानीय मान्यता के अनुसार, तताँरा ने अपनी तलवार से इस ज़मीन को दो हिस्सों में

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (ततार्रा-वामीरो कथा)

बांट दिया। वर्तमान में कार निकोबार और लटिल अंडमान के बीच लगभग 96 कमी की दूरी है। ततार्रा और वामीरो की प्रेम कथा यहाँ हर घर में सुनाई जाती है।

प्रश्न 2. ततार्रा खूब परिश्रम करने के बाद कहाँ गया? वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

उत्तर 2:

- (i) समुद्र के कनारे भ्रमण: दिनभर परिश्रम करने के बाद ततार्रा समुद्र कनारे टहलने गया। यह सूर्यास्त का समय था, जब ऐसा लग रहा था क सूरज समुद्र में समा रहा हो।
- (ii) प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव: चारों ओर शीतल और सुगंधित मंद हवा बह रही थी। पक्षियों की मधुर चहचहाहट धीमी हो चुकी थी। समुद्री रेत पर बैठकर ततार्रा प्राकृतिक सौंदर्य में खो गया। वह समुद्र की लहरों पर पड़ती सूर्य की रंगीन करणों को देख रहा था, जिससे उसका मन शांति और सुकून से भर गया।

प्रश्न 3. वामीरो से मिलने के बाद ततार्रा के जीवन में क्या परिवर्तन आया?

उत्तर 3:

- (i) मन की उथल-पुथल: वामीरो से मिलने के बाद ततार्रा का शांत और गंभीर स्वभाव बदल गया। उसके मन में एक अजीब सी हलचल होने लगी, और वह अपने भावनात्मक परिवर्तन से अचंभित और रोमांचित था।
- (ii) प्रतीक्षा और बेचैनी: अब वह दिनभर बेचैन रहता और शाम होने का इंतजार करता। जैसे ही शाम होती, वह पलाती समुद्र तट पर वामीरो का इंतजार करने पहुँच जाता। वामीरो से मिलकर ही उसे शांति का अनुभव होता।

प्रश्न 4. प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति प्रदर्शन के लिए कस प्रकार के आयोजन कए जाते थे?

उत्तर 4:

- (i) शक्ति प्रदर्शन और मनोरंजन: प्राचीन काल में गाँवों में मनोरंजन और शक्ति प्रदर्शन के लिए "पशु पर्व" का आयोजन किया जाता था। यह पर्व युवाओं की शक्ति और साहस का प्रदर्शन करने के लिए आयोजित होता था। इसमें सभी गाँव के लोग शामिल होते थे। इसके बाद नृत्य, संगीत, और वाद्य यंत्रों के माध्यम से मनोरंजन किया जाता था।
- (ii) सामूहिक भोज: ऐसे आयोजनों में सामूहिक भोज का आयोजन भी किया जाता था। लोग मिलजुलकर एक साथ बैठकर आनंदपूर्वक भोजन करते थे।

प्रश्न 5. रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगे तब उनका टूट जाना ही अच्छा है। क्यों? स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर 5:

- (i) बंधन के रूप में रूढ़ियाँ: रूढ़ियों के कारण कई बार सच्चे प्रेमी एक-दूसरे से मिल नहीं पाते। परंपराएँ और समाज की परिपाटियाँ उनके बीच बाधा बनकर खड़ी हो जाती हैं। ऐसे में, जब रूढ़ियाँ बोझ बनने लगे, तो उनका टूट जाना ही बेहतर होता है।
- (ii) भ्रष्टाचार का सुधार: रूढ़ियों की बेइयाँ तोड़ना आसान नहीं होता, लेकिन यदि उन्हें समाप्त कर दिया जाए, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं। इससे भ्रष्टाचार बेहतर और उन्नत हो सकता है।

(ग) निम्न ल खत के आशय स्पष्ट कीजिए-

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

1. जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा।

उत्तर 1: आशय:

तताँरा और वामीरो के संबंध का पता चलते ही गाँव वालों ने उन्हें तरह-तरह से अपमानित किया। यह स्थिति तताँरा के लिए असहनीय थी, खासकर वामीरो की दशा ने उसे भीतर तक दुखी कर दिया। क्रोध से भरे तताँरा को कुछ भी समझ नहीं आया। गुस्से में इंसान अक्सर बचलत हो जाता है और बिना सोचे-समझे काम करने लगता है। अपने भीतर के क्रोध को शांत करने के लिए उसने अपनी पूरी शक्ति के साथ तलवार को ज़मीन में गाड़ दिया और उसे खींचने लगा, ताक वह अपनी आंतरिक पीड़ा को कुछ हद तक कम कर सके।

2. बस आस की एक करण थी जो समुद्र की देह पर डूबती करणों की तरह कभी भी डूब सकती थी।

उत्तर 2: आशय:

सायंकाल का समय था, और तताँरा समुद्र के किनारे वामीरो के आने की प्रतीक्षा कर रहा था। वामीरो ने आने का वादा तो नहीं किया था, लेकिन तताँरा के मन में आशा की एक करण थी कि वह जरूर आएगी। हालांकि, यह उम्मीद भी सूर्यास्त की डूबती करणों की तरह क्षण भर में समाप्त हो सकती थी। इसका मतलब यह है कि उस समय तताँरा का विश्वास डगमगा रहा था और उसकी उम्मीद कमजोर पड़ रही थी।

भाषा अध्ययन

प्रश्न 1. निम्न लेखत वाक्यों के सामने दिए कोष्ठक में (/) का चिह्न लगाकर बताएँ कि वह वाक्य किस प्रकार का है-

(क) निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। (प्रश्नवाचक, वधानवाचक, निषेधात्मक, वस्मयादिबोधक)

(ख) तुमने एकाएक इतना मधुर गाना अधूरा क्यों छोड़ दिया? (प्रश्नवाचक, वधानवाचक, निषेधात्मक, वस्मयादिबोधक)

(ग) वामीरो की माँ क्रोध में उफन उठी। (प्रश्नवाचक, वधानवाचक, निषेधात्मक, वस्मयादिबोधक)

(घ) क्या तुम्हें गाँव का नियम नहीं मालूम? (प्रश्नवाचक, वधानवाचक, निषेधात्मक, वस्मयादिबोधक)

(ङ) वाह! कतना सुंदर नाम है। (प्रश्नवाचक, वधानवाचक, निषेधात्मक, वस्मयादिबोधक)

(च) मैं तुम्हारा रास्ता छोड़ दूंगा। (प्रश्नवाचक, वधानवाचक, निषेधात्मक, वस्मयादिबोधक)

उत्तर 1:

(क) निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। (वधानवाचक)

(ख) तुमने एकाएक इतना मधुर गाना अधूरा क्यों छोड़ दिया? (प्रश्नवाचक)

(ग) वामीरो की माँ क्रोध में उफन उठी। (वधानवाचक)

(घ) क्या तुम्हें गाँव का नियम नहीं मालूम? (प्रश्नवाचक)

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

(ड) वाह! कतना सुंदर नाम है। (वस्मयादिबोधक)

(च) मैं तुम्हारा रास्ता छोड़ दूंगा। (वधानवाचक)

प्रश्न 2. निम्न ल खत मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) सुध-बुध खोना

परीक्षा का परिणाम सुनते ही वह इतना खुश हो गया क उसकी सुध-बुध खो गई।

(ख) बाट जोहना

रात भर मां अपने बेटे के घर लौटने की बाट जोहती रही।

(ग) खुशी का ठिकाना न रहना

उसे राष्ट्रीय प्रतियो गता में प्रथम पुरस्कार मलने की खबर सुनकर उसकी खुशी का ठिकाना न रहा।

(घ) आग बबूला होना

गलती करने पर कर्मचारी को डांटने के बजाय मा लक आग बबूला हो गया।

(ड) आवाज़ उठाना

महिलाओं ने अपनी सुरक्षा के लए कानून में सुधार की मांग करते हुए आवाज़ उठाई।

प्रश्न 3. नीचे दिए गए शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके ल खए-

उत्तर 3-	शब्द	मूलशब्द	प्रत्यय
	च र्चत	चर्चा	इत
	साह सक	साहस	इक
	छटपटाहट	छटपट	आहट
	शब्दहीन	शब्द	हीन

प्रश्न 4. नीचे दिए गए शब्दों में उ चत उपसर्ग लगाकर शब्द बनाइए-

उत्तर 4: यहां दिए गए शब्दों में उ चत उपसर्ग लगाने पर निम्न ल खत शब्द बनते हैं:

1. अति + आकर्षक = अत्याकर्षक
2. अ + ज्ञात = अज्ञात
3. सु + कोमल = सुकोमल
4. बे + होश = बेहोश
5. दुर् + घटना = दुर्घटना

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (ततार्रा-वामीरो कथा)

प्रश्न 5. निम्न ल खत वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए-

- (क) जीवन में पहली बार मैं इस तरह वच लत हुआ हूँ। (मश्र वाक्य)
- (ख) फर तेज कदमों से चलती हुई ततार्रा के सामने आकर ठिठक गई। (संयुक्त वाक्य)
- (ग) वामीरो कुछ सचेत हुई और घर की तरफ दौड़ी। (सरल वाक्य)
- (घ) ततार्रा को देखकर वह फूटकर रोने लगी। (संयुक्त वाक्य)
- (ङ) रीति के अनुसार दोनों को एक ही गाँव का होना आवश्यक था । (मश्र वाक्य)

उत्तर 5-

- (क) जीवन में पहली बार ऐसा हुआ क मैं इस तरह वच लत हुआ हूँ। (मश्र वाक्य)
- (ख) फर वह तेज कदमों से चलती हुई, ततार्रा के सामने आकर ठिठक गई। (संयुक्त वाक्य)
- (ग) वामीरो सचेत हुई और घर की तरफ दौड़ी। (सरल वाक्य)
- (घ) ततार्रा को देखकर वह फूटकर रोने लगी, और उसे देखकर वह नहीं रुक सकी। (संयुक्त वाक्य)
- (ङ) रीति के अनुसार यह आवश्यक था क दोनों एक ही गाँव के हों। (मश्र वाक्य)

प्रश्न 6. नीचे दिए गए वाक्य पढ़िए तथा 'और' शब्द के व भन्न प्रयोगों पर ध्यान दीजिए-

- (क) पास में सुंदर और शक्तिशाली युवक रहा करता था । (दो पदों को जोड़ना)
- (ख) वह कुछ और सोचने लगी। ('अन्य' के अर्थ में)
- (ग) एक आकृति कुछ साफ हुई. कुछ और... कुछ और... (क्रमशः धीरे-धीरे के अर्थ में)
- (घ) अचानक वामीरो कुछ सचेत हुई और घर की तरफ दौड़ गई। (दो उपवाक्यों को जोड़ने के अर्थ में)
- (ङ) वामीरो का दुख उसे और गहरा कर रहा था। ('अ धकता' के अर्थ में)
- (च) उसने थोड़ा और करीब जाकर पहचानने की चेष्टा की । ('निकटता' के अर्थ में)

उत्तर 6- 'और' शब्द के व भन्न प्रयोगों का वश्लेषण इस प्रकार है:

(क) पास में सुंदर और शक्तिशाली युवक रहा करता था।

- प्रयोग: दो पदों को जोड़ने के अर्थ में।
- यहाँ 'और' का प्रयोग दो वश्लेषताओं (सुंदर और शक्तिशाली) को जोड़ने के लए कया गया है।

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

(ख) वह कुछ और सोचने लगी।

- प्रयोग: 'अन्य' के अर्थ में।
- यहाँ 'और' का प्रयोग 'कुछ अन्य' या 'कुछ अलग' के अर्थ में किया गया है, यानी वह अन्य प्रकार से सोचने लगी।

(ग) एक आकृति कुछ साफ हुई। कुछ और... कुछ और...

- प्रयोग: क्रमशः धीरे-धीरे के अर्थ में।
- यहाँ 'और' का प्रयोग क्रमवार बढ़ने या धीरे-धीरे कसी बात के होने के अर्थ में किया गया है।

(घ) अचानक वामीरो कुछ सचेत हुई और घर की तरफ दौड़ गई।

- प्रयोग: दो उपवाक्यों को जोड़ने के अर्थ में।
- यहाँ 'और' का प्रयोग दो घटनाओं (सचेत होना और दौड़ जाना) को जोड़ने के लिए किया गया है।

(ङ) वामीरो का दुख उसे और गहरा कर रहा था।

- प्रयोग: अ धकता के अर्थ में।
- यहाँ 'और' का प्रयोग कसी बात के अ धक बढ़ने या गहरा होने के अर्थ में किया गया है।

(च) उसने थोड़ा और करीब जाकर पहचानने की चेष्टा की।

- प्रयोग: निकटता के अर्थ में।
- यहाँ 'और' का प्रयोग कसी चीज़ के और नजदीक होने के अर्थ में किया गया है।

प्रश्न 7. नीचे दिए गए शब्दों के वल्लोम शब्द ल खए-

उत्तर 7-

शब्द - वल्लोम शब्द

भय - निर्भय,

सभ्य - असभ्य,

तरल - ठोस,

सुखद - दुखद

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

मधुर	-	कटु
मूक	-	वाचाल
उपस्थित	-	अनुपस्थित

प्रश्न 8. नीचे दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द ल खए-

उत्तर 8-

समुद्र	-	सागर, सन्धु
आँख	-	नयन, नेत्र
दिन	-	दिवस, कारी
अँधेरा	-	अंधकार, तम
मुक्त	-	छुटकारा, निर्वघ्न

प्रश्न 9. नीचे दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तर 9-

1. कंकर्तव्य वमूढ - जब उसे अपने पसंदीदा कलाकार से मलने का मौका मला, वह कंकर्तव्य वमूढ हो गया।
2. वहवल - अपनी बहन की बीमारी को देखकर वह पूरी तरह से वहवल हो गया।
3. भयाकुल - रात के अंधेरे में अकेला चलने से वह भयाकुल था।
4. याचक - वह सड़क पर एक याचक को देखकर अपनी जेब से कुछ पैसे देने लगा।
5. आकंठ - संगीत के प्रति उसकी रुचि आकंठ थी, वह दिन-रात संगीत में ही खोया रहता।

प्रश्न 10. 'कसी तरह आँचरहित एक ठंडा और ऊबाऊ दिन गुजरने लगा' वाक्य में दिन के लए कन-कन वशेषणों का प्रयोग कया गया है? आप दिन के लए कोई तीन वशेषण और सुझाए।

उत्तर 10- वाक्य में "दिन" के लए जो वशेषण प्रयोग कए गए हैं, वे हैं:

1. आँचरहित
2. ठंडा
3. ऊबाऊ

अब, "दिन" के लए तीन और वशेषण सुझाए जा सकते हैं:

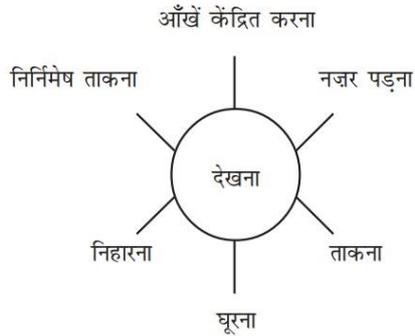
1. सुस्त

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

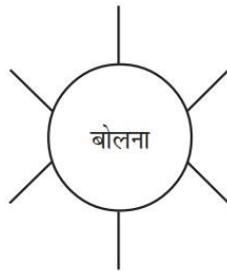
2. नीरस

3. उबाऊ

प्रश्न 11. इस पाठ में 'देखना' क्रिया के कई रूप आए हैं- 'देखना' के इन व भन्न शब्द प्रयोगों में क्या अंतर है? वाक्य प्रयोग द्वारा स्पष्ट कीजिए।



इसी प्रकार 'बोलना' क्रिया के व भन्न शब्द-प्रयोग बताइए।



उत्तर 11 - 'देखना' शब्द के व भन्न रूपों में अर्थ का हल्का सा अंतर होता है, जिसे हम निम्न ल खत उदाहरणों से समझ सकते हैं-

1. आँखें केंद्रित करना - बच्चा माँ को ध्यान से और गहरे नजरों से देख रहा था।
2. नज़र पड़ना - पु लसवाले की नज़र चोर पर अचानक पड़ गई।
3. ताकना - राजू, दूसरों की खड़ कयों से ताकना ठीक नहीं है।
4. घूरना - दोनों शत्रु एक-दूसरे को घूर रहे थे।
5. निहारना - उसके अद् वतीय रूप को मैं बस निहारता रह गया।
6. निर्निमेष ताकना - प्रेमी-प्रे मका एक-दूसरे को बिना पलक झपकाए ताक रहे थे।

'बोलना' क्रिया के व भन्न शब्द प्रयोग - चल्लाना, बुदबुदाना, फुसफुसाना, चीखना, शोर मचाना, बकवास करना।

प्रश्न 12. नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़िए-

(क) श्याम का बड़ा भाई रमेश कल आया था। (संज्ञा पदबंध)

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (ततार्रा-वामीरो कथा)

(ख) सुनीता परिश्रमी और हो शयार लड़की है। (वशेषण पदबंध)

(ग) अरु णमा धीरे-धीरे चलते हुए वहाँ जा पहुँची। (क्रया वशेषण पदबंध)

(घ) आयुष सुर भ का चुटकुला सुनकर हँसता रहा। (क्रया पदबंध)

ऊपर दिए गए वाक्य

(क) में रेखां कत अंश में कई पद हैं जो एक पद संज्ञा का काम कर रहे हैं। वाक्य

(ख) में तीन पद मलकर वशेषण पद का काम कर रहे हैं। वाक्य

(ग) और (घ) में कई पद मलकर क्रमशः क्रया वशेषण और क्रया का काम कर रहे हैं।

ध्वनियों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं और वाक्य में प्रयुक्त शब्द 'पद' कहलाता है; जैसे-

'पेड़ों पर पक्षी चहचहा रहे थे।' वाक्य में 'पेड़ों' शब्द पद है क्योंकि इसमें अनेक व्याकरणिक बिंदु जुड़ जाते हैं। कई पदों के योग से बने वाक्यांश को जो एक ही पद का काम करता है, पदबंध कहते हैं। पदबंध वाक्य का एक अंश होता है।

पदबंध मुख्य रूप से चार प्रकार के होते हैं-

- संज्ञा पदबंध
- वशेषण पदबंध
- क्रया पदबंध
- क्रया वशेषण पदबंध

वाक्यों के रेखां कत पदबंधों का प्रकार बताइए-

(क) उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था ।

(ख) ततार्रा को मानो कुछ होश आया ।

(ग) वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता ।

(घ) ततार्रा की तलवार एक वलक्षण रहस्य थी।

(ङ) उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढने में व्यस्त थीं।

उत्तर 12: यहाँ पर वाक्यों में रेखां कत पदबंधों का प्रकार निम्न ल खत है:

(क) उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था।

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (ततार्रा-वामीरो कथा)

- पदबंध का प्रकार: वक सत वाक्य (वह पदबंध वाक्य में मुख्य रूप से एक पूर्ण वचन व्यक्त करता है, जो "उसकी कल्पना में" के साथ जुड़ा हुआ है।)

(ख) ततार्रा को मानो कुछ होश आया।

- पदबंध का प्रकार: सामान्य पदबंध (यह वाक्य एक सामान्य क्रियापद से जुड़ा हुआ है, जिसमें "कुछ होश आया" के रूप में सामान्य क्रिया का उपयोग हो रहा है।)

(ग) वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता।

- पदबंध का प्रकार: सम्बंधित पदबंध (यह "भागा-भागा" शब्द एक विशेषणात्मक संज्ञा का कार्य कर रहा है।)

(घ) ततार्रा की तलवार एक वलक्षण रहस्य थी।

- पदबंध का प्रकार: सहायक पदबंध (यह "एक वलक्षण रहस्य" को विशेषण के रूप में उपस्थित कर रहा है।)

(ङ) उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढने में व्यस्त थीं।

- पदबंध का प्रकार: विशेषणात्मक पदबंध (यह वाक्य विशेषण का कार्य करता है, जैसे "व्याकुल आँखें" विशेषण से सम्बंधित है।)

योग्यता वस्तार

1. पुस्तकालय में उपलब्ध व भन्न प्रदेशों की लोककथाओं का अध्ययन कीजिए।

उत्तर 1: पुस्तकालय में व भन्न प्रदेशों की लोककथाओं का अध्ययन करने से हमें भारत की सांस्कृतिक व वधता और उसके लोक जीवन की गहरी समझ मिलती है। यहाँ पर कुछ प्रमुख भारतीय प्रदेशों की लोककथाएँ दी जा रही हैं, जिन्हें आप पुस्तकालय से या अन्य संसाधनों से अध्ययन कर सकते हैं:

1. उत्तर प्रदेश की लोककथाएँ:

- कथा: "धर्मराज यमराज और राजा वक्रमादित्य"
इस कथा में राजा वक्रमादित्य और यमराज के बीच होने वाली बहस और संघर्ष को दर्शाया गया है। वक्रमादित्य ने यमराज से अपनी प्रजा को बचाने के लिए उन्हें चुनौती दी और उनकी न्याय प्रयत्ना को साबित किया।
- कथा: "भूतनाथ की शरण में"
यह कहानी एक साधू की है, जो भूतनाथ से अपनी गलतियों का प्रायश्चित्त करने के लिए जंगल में जाता है। इस कहानी में आत्मज्ञान और भूत-प्रेत के अस्तित्व को लेकर लोक विश्वासों का चित्रण है।

2. पंजाब की लोककथाएँ:

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

- कथा: "हीर रांझा"
यह प्र सद्ध पंजाबी लोककथा एक प्रेम कथा है, जो हीर और रांझा के प्रेम, सामाजिक बाधाओं, और उनके संघर्ष को बताती है। इस कहानी में पारंपरिक पंजाबी जीवन, प्रेम, और ब लदान की भावनाओं को दर्शाया गया है।
- कथा: " सहासन बतीसी"
यह एक ऐतिहासक और शक्षाप्रद कहानी है, जिसमें राजा और उनके दरबारियों के बीच की चर्चाएँ और राजा के न्याय की शक्ति को प्रदर्शित किया गया है।

3. गुजरात की लोककथाएँ:

- कथा: "रामू और तिलू"
यह कहानी एक छोटे से लड़के रामू की है, जो अपनी समझदारी से एक कठिन परिस्थिति का समाधान करता है। यह कहानी हमें यह सिखाती है कि अगर व्यक्ति के पास ज्ञान और समझ है, तो वह किसी भी संकट से बाहर निकल सकता है।
- कथा: "नायक और भूत"
यह कहानी गुजरात के लोक विश्वास पर आधारित है, जिसमें एक नायक भूत से लड़ता है और उसे हराकर गांव को बचाता है।

4. बंगाल की लोककथाएँ:

- कथा: "थाकुरमार झुली"
यह प्र सद्ध बंगाली लोककथा बच्चों के लिए है, जिसमें व भन्न देवी-देवताओं और दैत्यों के कस्से होते हैं। यह कथाएँ न केवल मनोरंजन करती हैं, बल्कि उनमें जीवन के महत्वपूर्ण सद्धांतों की शक्षा भी छिपी होती है।
- कथा: "कृष्ण और राधा"
बंगाल की लोककथाएँ आमतौर पर कृष्ण और राधा के प्रेम को लेकर होती हैं, जिसमें भक्ति और प्यार की बातें होती हैं।

5. महाराष्ट्र की लोककथाएँ:

- कथा: "पेशवा और बाजीराव"
यह कहानी एक महान मराठा शासक, बाजीराव की है, जो अपनी बहादुरी और रणनीति के लिए प्र सद्ध हैं। उनकी वीरता के कस्से महाराष्ट्र के लोककथाओं का हिस्सा बने हुए हैं।
- कथा: " वठोबा की पूजा"
महाराष्ट्र की लोककथाएँ भगवान वठोबा के प्रति श्रद्धा और विश्वास को दर्शाती हैं, जिसमें गांव के लोग वठोबा की पूजा करने के लिए कठिन यात्रा करते हैं और उनकी कृपा प्राप्त करते हैं।

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (ततार्रा-वामीरो कथा)

6. राजस्थान की लोककथाएँ:

- कथा: "पठान और राजपूत"
यह राजस्थान की वीरता को दर्शाने वाली एक कथा है, जिसमें एक राजपूत राजा और पठान के बीच की बहादुरी और युद्ध की घटनाओं का चित्रण किया गया है।
- कथा: "मीराबाई की भक्ति"
यह कहानी मीराबाई की भक्ति और कृष्ण के प्रति उनकी अनन्य श्रद्धा पर आधारित है। राजस्थान की लोककथाएँ अक्सर धर्म, प्रेम और भक्ति के सद्घातों पर केंद्रित होती हैं।

7. केरल की लोककथाएँ:

- कथा: "नर्तकी और देवता"
यह कथा एक नर्तकी और देवता के बीच प्रेम और बलदान को दर्शाती है। केरल की लोककथाएँ अक्सर देवी-देवताओं, आध्यात्मिकता, और प्रकृति के साथ जुड़ी होती हैं।
- कथा: "वीर शवाजी और रानी"
यह कहानी मराठा शासक वीर शवाजी की वीरता को दर्शाती है, जिसमें उन्होंने अपनी रणनीति से दुश्मनों को हराया और अपनी भूमि को बचाया।

8. तमिलनाडु की लोककथाएँ:

- कथा: "कृष्ण और कन्हैया"
तमिलनाडु की लोककथाएँ कृष्ण के बचपन और उनके अद्वितीय कार्यों से जुड़ी हुई हैं। इन कथाओं में भगवान के वचन रूपों और उनकी लीलाओं का बखाना होता है।
- कथा: "अर्जुन और कर्ण"
यह महाभारत के प्रसंग से जुड़ी एक कहानी है, जिसमें कर्ण और अर्जुन के बीच संघर्ष और दोनों के नैतिक दृष्टिकोण की चर्चा होती है।

इन लोककथाओं का अध्ययन करने से न केवल वचन प्रदेशों की सांस्कृतिक समझ बढ़ेगी, बल्कि इन कथाओं में छुपी हुई शिक्षाओं, समाज की मानसकता, और मानवीय मूल्यों की गहरी जानकारी भी प्राप्त होगी। आप पुस्तकालय में इन प्रदेशों की लोककथाओं पर आधारित कताबें और शोधपत्र खोज सकते हैं।

2. भारत के नक्शे में अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की पहचान कीजिए और उसकी भौगोलिक स्थिति के वषय में जानकारी प्राप्त कीजिए।

उत्तर 2: अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह भारत का एक प्रमुख द्वीपसमूह है, जो बंगाल की खाड़ी में स्थित है। यह भारत के पूर्वी तट से लगभग 1,200 कमी दूर स्थित है और भारत के मुख्य भू-भाग से समुद्र द्वारा अलग है। इस द्वीपसमूह में कुल 572 द्वीप हैं, ले कन इनमें से लगभग 30 द्वीपों पर ही मानव निवास है।

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

भौगो लक स्थिति:

- अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह को भौगो लक दृष्टि से दो प्रमुख समूहों में बांटा जाता है: अंडमान द्वीपसमूह और निकोबार द्वीपसमूह।
 - अंडमान द्वीपसमूह: यह द्वीपसमूह मुख्य रूप से उत्तरी और मध्य अंडमान के द्वीपों से मलकर बना है।
 - निकोबार द्वीपसमूह: यह द्वीपसमूह दक्षिण में स्थित है और इसका मुख्य द्वीप "निकोबार" है।
- अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के मुख्य द्वीपों के बीच समुद्र की गहराई और पानी की स्थिति में व वधता पाई जाती है। अंडमान द्वीपसमूह का सबसे बड़ा द्वीप "सहस्रद्वीप" है, और निकोबार द्वीपसमूह का प्रमुख द्वीप "निकोबार" है।
- भौगो लक स्थितियाँ:
 - अंडमान द्वीपसमूह को 6° 45' उत्तर और 13° 41' उत्तर अक्षांश के बीच तथा 92° 12' पूर्व और 93° 58' पूर्व देशांतर के बीच स्थित किया गया है।
 - निकोबार द्वीपसमूह का क्षेत्र 6° 45' उत्तर और 9° 30' उत्तर अक्षांश के बीच तथा 93° 25' पूर्व और 94° 45' पूर्व देशांतर के बीच स्थित है।

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह की भौगो लक स्थिति इसे एक समुद्री जलवायु वाले क्षेत्र में रखती है, जहाँ मौसम मुख्यतः उष्णकटिबंधीय होता है। यहाँ की वनस्पति और जैव व वधता बहुत ही समृद्ध है।

3. अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की प्रमुख जनजातियों की विशेषताओं का अध्ययन पुस्तकालय की सहायता से कीजिए।

उत्तर 3: अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह भारत के दक्षिणी हिस्से में स्थित एक क्षेत्र है, जहाँ व भन्न जनजातियाँ निवास करती हैं। इनमें कुछ प्रमुख जनजातियाँ हैं जिनकी विशेषताएँ निम्न ल खत हैं:

1. सेंटिनलीज़ (Sentinalese):

- सेंटिनलीज़ जनजाति अंडमान द्वीप समूह के सेंटिनल द्वीप पर निवास करती है।
- यह जनजाति बहुत ही अलग-थलग जीवन जीती है और बाहरी दुनिया से संपर्क करने से बचती है।
- सेंटिनलीज़ लोग शकार और एकत्रित करने वाले जीवनशैली का पालन करते हैं और उनका भाषा, संस्कृति और रीति-रिवाज अन्य जनजातियों से अलग है।

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

2. नीकलो (Nicobarese):

- निकोबार द्वीप समूह में निवास करने वाली यह जनजाति कृष और मछली पकड़ने का काम करती है।
- निकोला लोग समाजिक दृष्टि से उन्नत माने जाते हैं और उन्होंने बाहरी दुनिया के संपर्क से कुछ हद तक आदान-प्रदान किया है।
- उनकी संस्कृति में संगीत, नृत्य और पारंपरिक धर्म का विशेष स्थान है।

3. ग्रेट अंडमानीज़ (Great Andamanese):

- यह जनजाति अंडमान द्वीप समूह के मुख्य द्वीप पर निवास करती है।
- यह जनजाति पारंपरिक शिकार और मछली पकड़ने वाली जीवनशैली अपनाती थी, लेकिन बाहरी संपर्क और बीमारियों के कारण उनकी जनसंख्या में भारी गिरावट आई है।
- आजकल, ग्रेट अंडमानीज़ जनजाति के सदस्य अंशतः मुख्यधारा के समाज में मलकर रहते हैं।

4. शम्पेन्स (Shompens):

- शम्पेन्स जनजाति निकोबार द्वीप समूह के कुछ द्वीपों पर निवास करती है।
- यह जनजाति भी शिकार और मांसाहारी जीवनशैली में विश्वास करती है और प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करती है।
- शम्पेन्स लोग अपनी पारंपरिक संस्कृति और जीवनशैली में काफी हद तक अछूते रहते हैं।

इन जनजातियों की विशेषताएँ और जीवनशैली बहुत ही अद्वितीय हैं और इनका अध्ययन करके हम उनकी सांस्कृतिक धरोहर, आदिवासी समाज की जटिलताओं और पर्यावरण के प्रति उनकी संवेदनशीलता को समझ सकते हैं।

4. दिसंबर 2004 में आए सुनामी का इस द्वीपसमूह पर क्या प्रभाव पड़ा? जानकारी एकत्रित कीजिए।

उत्तर 4- दिसंबर 2004 में आए सुनामी का अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह पर गहरा प्रभाव पड़ा था। इस भयानक सुनामी ने न केवल द्वीपसमूह के पर्यावरण को नुकसान पहुँचाया, बल्कि वहाँ रहने वाली आदिवासी जनजातियों और स्थानीय समुदायों को भी भारी क्षति पहुँचाई। यहाँ कुछ प्रमुख प्रभाव दिए गए हैं:

1. सुनामी का कारण:

- 26 दिसंबर 2004 को इंडोनेशिया के तट के पास भारतीय महासागर में 9.1-9.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे विशाल सुनामी की लहरें उठीं।

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (ततार्रा-वामीरो कथा)

- यह सूनामी अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के तटीय इलाकों में सबसे ज्यादा प्रभावी रही, क्योंकि यह क्षेत्र भूकंपीय गति व धरों के लए संवेदनशील है।

2. मनुष्यों पर प्रभाव:

- अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में लगभग 14,000 से अधिक लोग सूनामी की चपेट में आए, जिसमें 2000 से ज्यादा लोग मारे गए थे।
- द्वीपों के तटीय क्षेत्रों में बसे कई गांवों और बस्तियों को भारी नुकसान हुआ, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ जनसंख्या घनत्व ज्यादा था।
- इस त्रासदी से वहाँ के आदिवासी समुदायों के जीवन पर भी गहरा असर पड़ा। सेंटिनलीज, शम्पेन्स, और अन्य आदिवासी जनजातियों के लए तटीय इलाके जो उनके पारंपरिक जीवन का हिस्सा थे, नष्ट हो गए।

3. प्राकृतिक संसाधनों पर प्रभाव:

- सूनामी ने द्वीपसमूह के पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों को भारी नुकसान पहुँचाया। तटीय क्षेत्रों में समुद्र तटों की बर्बादी, मछलियों के आवासों का नष्ट होना, और कृषि भूमि की क्षति ने पारंपरिक जीवनशैली को प्रभावित किया।
- मछली पकड़ने और कृषि पर निर्भर लोग भी प्रभावित हुए, क्योंकि उनकी आजीविका के स्रोत नष्ट हो गए थे।
- सूनामी के कारण बड़े पैमाने पर मलबा, रेत और पानी के अतिक्रमण के कारण द्वीपों का पारिस्थितिकी तंत्र भी प्रभावित हुआ।

4. विकासात्मक और सामाजिक प्रभाव:

- अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में सूनामी के बाद राहत कार्यों की शुरुआत हुई, जिसमें भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय सहायता संस्थाओं ने योगदान किया।
- पुनर्वास और पुनर्निर्माण के प्रयासों ने तटीय क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे को फिर से खड़ा करने की दिशा में कार्य करा।
- सूनामी के बाद वहाँ की आदिवासी जनजातियों के जीवन को पुनः व्यवस्थित करने के लए व भन्न सहायता योजनाएँ बनाई गईं। हालांकि, कुछ जनजातियाँ आज भी अपनी पारंपरिक जीवनशैली और संस्कृति के साथ ही जीवन यापन करती हैं।

5. लंबे समय तक असर:

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

- सूनामी के बाद का सबसे बड़ा मुद्दा स्थानीय निवा सयों के लए मान सक और शारीरिक राहत सुनिश्चित करना था। कई परिवारों ने अपने प्रयजनों को खो दिया था, और यह एक भावनात्मक आघात था।
- प्रभा वत क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवाओं और स्कूलों की स्थिति में सुधार की आवश्यकता थी। इसके अलावा, पर्यावरणीय पुनर्निर्माण पर भी ध्यान दिया गया।

दिसंबर 2004 की सूनामी ने अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में व्यापक तबाही मचाई, ले कन इसके बाद के राहत और पुनर्निर्माण प्रयासों ने द्वीपसमूह को कुछ हद तक पुनर्जी वत कया। आज, सूनामी के बाद के वर्षों में, इस क्षेत्र में आपदा प्रबंधन और चेतावनी प्रणा लयों को मजबूत कया गया है ता क भ वष्य में ऐसे संकटों से निपटा जा सके।

परियोजना कार्य

1. अपने घर-परिवार के बुजुर्ग सदस्यों से कुछ लोककथाओं को सुनिए। उन कथाओं को अपने शब्दों में कक्षा में सुनाइए ।

उत्तर 1- यह बहुत अच्छा वचार है! लोककथाएँ हमारे समाज की सांस्कृतिक धरोहर होती हैं और बुजुर्गों से इन्हें सुनना बहुत ही मूल्यवान अनुभव हो सकता है। आप अपने परिवार के बुजुर्ग सदस्यों से जो लोककथाएँ सुनते हैं, उन्हें अपने शब्दों में साझा करना कक्षा में एक रोचक और शक्षाप्रद अनुभव हो सकता है।

यहाँ एक उदाहरण के रूप में एक प्र सद्ध भारतीय लोककथा दी जा रही है, जिसे आप सुनाकर अपने कक्षा में प्रस्तुत कर सकते हैं:

कथा: "सोन् और मुग्धा"

कहानी: बहुत समय पहले एक छोटे से गांव में एक लड़का था जिसका नाम सोन् था। सोन् बहुत मेहनती और समझदार था, ले कन उसकी एक आदत थी क वह हमेशा दूसरों से अपने काम का श्रेय लेने की को शश करता था। गांव में एक दिन एक बहुत बड़ी समस्या पैदा हो गई। गांव के कुएं में पानी कम हो गया था और सभी लोग परेशान थे। इस समस्या को हल करने के लए गांव के बुजुर्गों ने एक बैठक बुलाई। सोन् ने सोचा क यह समस्या हल करने का अच्छा अवसर है। उसने फैसला कया क वह सबसे पहले समाधान सुझाएगा और सभी का ध्यान आकर्षत करेगा।

सोन् ने एक योजना बनाई क कुएं के पास एक नया तालाब खोदा जाएगा, जिससे पानी का स्तर बढ़ेगा। ले कन यह योजना बहुत ही कठिन थी। मुग्धा नाम की एक लड़की थी, जो सोन् से बहुत अलग थी। वह शांत स्वभाव की थी और हमेशा दूसरों की मदद करती थी। मुग्धा ने देखा क सोन् के पास कोई अच्छा समाधान नहीं था, ले कन उसने अपनी बुद्धिमानि से एक अलग रास्ता अपनाया। मुग्धा ने सबसे पहले कुएं के आसपास के सभी रास्तों को साफ कया और सभी गांववा सयों से मदद ली। उसका तरीका सरल था, ले कन उसने सभी के सहयोग से कुएं में पानी का स्तर बढ़ा दिया।

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (ततार्रा-वामीरो कथा)

सोन् ने जब देखा क मुग्धा की योजना काम कर रही है, तो उसने अपनी गलती समझी। उसने सीखा क श्रेय लेने से ज्यादा महत्वपूर्ण है, एक समस्या का समाधान मलकर करना। मुग्धा ने सभी को यह सखाया क सच्ची मदद और सहयोग से बड़ी से बड़ी समस्याएँ हल हो सकती हैं।

सीख: यह कहानी हमें यह सखाती है क श्रेय की बजाय हमें मलकर काम करना चाहिए और सही मार्ग पर चलना चाहिए। सहयोग और मेहनत से कसी भी समस्या का समाधान संभव है।

आप इस तरह की कसी भी लोककथा को अपने शब्दों में कक्षा में सुनाकर अपने अनुभव और सीखी हुई बातें साझा कर सकते हैं।

पाठ 10: लीलाधर मंडलोई (ततार्रा-वामीरो कथा) पर आधारित अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर, सारांश

ततार्रा-वामीरो कथा पर आधारित सारांश

पाठ 10: ततार्रा-वामीरो कथा – सारांश

(लेखक: लीलाधर मंडलोई)

‘ततार्रा-वामीरो कथा’ अंडमान-निकोबार द्वीपों की एक लोककथा पर आधारित है, जिसे लेखक लीलाधर मंडलोई ने भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से प्रस्तुत किया है। यह कथा लपाती नामक गाँव के दो प्रमुख पात्रों – ततार्रा और वामीरो – की प्रेम कहानी है। ततार्रा गाँव का एक साहसी, सुंदर और आत्म वशवासी युवक था, जो अपनी लकड़ी की तलवार के लिए प्रसिद्ध था। वामीरो, एक सुंदर और मधुर आवाज़ वाली युवती थी, जिसे गाने का बहुत शौक था।

एक दिन समुद्र किनारे ततार्रा ने वामीरो को गाते हुए देखा और उसके सौंदर्य व आवाज से मोहित हो गया। दोनों के बीच प्रेम हुआ, लेकिन कन सामाजिक मान्यताओं और परिस्थितियों ने उनके प्रेम को स्वीकार नहीं किया। यह कथा दो अलग-अलग जातियों और परंपराओं के बीच प्रेम, संघर्ष और त्याग की गाथा बन जाती है।

इस लोककथा के माध्यम से लेखक ने द्वीपों की सांस्कृतिक व वधता, प्रेम, सामाजिक बंधनों और मानवीय संबंधों का संवेदनशील चित्रण किया है। यह कहानी आज भी वहाँ की लोक-स्मृति में जीवित है और प्रेम, समर्पण व लोकसंस्कृति का प्रतीक बन गई है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न उत्तर (Extra Questions/Answers)

प्रश्न 1: लीलाधर मंडलोई के जन्म और शिक्षा के बारे में क्या जानकारी मिलती है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई का जन्म 1954 की जन्माष्टमी को मध्यप्रदेश के गुढी गाँव में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा भोपाल और रायपुर में हुई। उन्होंने प्रसारण के क्षेत्र में गहन अध्ययन किया और 1987 में लंदन स्थित

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (ततार्रा-वामीरो कथा)

कॉमनवेल्थ रिलेशंस ट्रस्ट से आमंत्रण प्राप्त किया। लीलाधर मंडलोई की शैक्षक यात्रा उनके बहुआयामी व्यक्तित्व की नींव बनी।

प्रश्न 2: लीलाधर मंडलोई की लेखन शैली में छत्तीसगढ़ की भाषा और संस्कृति कस प्रकार दिखाई देती है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई की कविताओं में छत्तीसगढ़ की बोली की मठास झलकती है। उनकी रचनाओं में वहाँ के जनजीवन का सजीव चित्रण मिलता है। उनका लेखन न केवल भावनात्मक है, बल्कि सामाजिक यथार्थ को भी उजागर करता है, जिससे पाठकों को लोक संस्कृति का जीवंत अनुभव होता है।

प्रश्न 3: 'ततार्रा-वामीरो कथा' की पृष्ठभूमि क्या है?

उत्तर: 'ततार्रा-वामीरो कथा' लीलाधर मंडलोई द्वारा लिखी गई एक लोककथा आधारित रचना है, जो लटिल अंडमान द्वीप की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह कहानी द्वीपवासियों में फैले विद्वेष और एक युगल के आत्मबलदान की मार्मिक कथा है। इस कथा में प्रेम, बलदान और सामाजिक एकता का संदेश गहराई से उभरता है।

प्रश्न 4: लीलाधर मंडलोई को कन प्रमुख रचनाओं के लिए जाना जाता है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई की प्रमुख रचनाओं में *घर-घर घूमा*, *रात-बिरात*, *मगर एक आवाज*, *देखा-अनदेखा* और *काला पानी* शामिल हैं। इन रचनाओं के माध्यम से उन्होंने सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवतावादी विषयों को प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया है। उनका साहित्यिक योगदान आधुनिक हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

प्रश्न 5: लीलाधर मंडलोई का प्रसारण क्षेत्र में क्या योगदान रहा है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई को प्रसारण के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए जाना जाता है। वे प्रसार भारती दूरदर्शन के महानिदेशक के रूप में कार्य कर चुके हैं। उनकी सृजनात्मक दृष्टि ने मीडिया को एक नई दिशा दी। इसके अलावा, लंदन के कॉमनवेल्थ रिलेशंस ट्रस्ट में अध्ययन कर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिष्ठा प्राप्त की।

प्रश्न 6: 'ततार्रा' का चरित्र लीलाधर मंडलोई की दृष्टि से कैसा है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई द्वारा चित्रित 'ततार्रा' एक साहसी, नेक और जनसेवक युवक है। वह आत्मबलदान और सेवा का प्रतीक है। उसकी तलवार में छिपा रहस्य, और उसका त्यागपूर्ण व्यवहार उसे एक लोकनायक बनाते हैं। मंडलोई ने इस पात्र को अत्यंत सजीव और प्रेरणादायक रूप में प्रस्तुत किया है।

प्रश्न 7: वामीरो का पात्र कथा में कस भूमिका में है?

उत्तर: वामीरो एक सुंदर, आत्मसम्मान से भरी युवती है, जो ततार्रा के प्रेम प्रस्ताव पर पहले नाराज होती है लेकिन बाद में एक संवेदनशील और भावनात्मक रिश्ता बनता है। लीलाधर मंडलोई ने वामीरो के माध्यम से नारी सम्मान, भावुकता और प्रेम की शक्ति को दर्शाया है। वह इस कथा की संवेदनशीलता का केंद्रबिंदु है।

प्रश्न 8: लीलाधर मंडलोई की रचनाओं में सामाजिक सरोकार कैसे परिलक्षित होते हैं?

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (ततार्रा-वामीरो कथा)

उत्तर: लीलाधर मंडलोई की रचनाओं में समाज के प्रति गहरी संवेदनशीलता है। उन्होंने छत्तीसगढ़ और अंडमान निकोबार की लोककथाओं व जनजातियों को मुख्यधारा साहित्य में स्थान दिया। उनके पात्रों में समाज के लए त्याग, प्रेम और समरसता जैसे मूल्यों का सशक्त चित्रण देखने को मलता है।

प्रश्न 9: लीलाधर मंडलोई की साहित्यिक यात्रा कन वधाओं तक फैली है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई मूलतः क व हैं, परंतु उन्होंने लोककथा, लोकगीत, यात्रा-वृत्तांत, डायरी, आलोचना, रिपोर्टाज और मी डया लेखन में भी उल्लेखनीय कार्य कया है। उनकी व वध वधाओं में लेखनी उनके संवेदनशील और बहुआयामी दृष्टिकोण को दर्शाती है।

प्रश्न 10: ततार्रा-वामीरो कथा में प्रेम और घृणा के बीच क्या संदेश है?

उत्तर: 'ततार्रा-वामीरो कथा' में लीलाधर मंडलोई ने दिखाया है क प्रेम समाज को जोड़ता है जब क घृणा उसे तोड़ती है। इस कथा में एक युगल के ब लदान से यह स्पष्ट होता है क समाज में प्रेम और एकता सर्वोपरि हैं। यह कथा संदेश देती है क समाज उन्हीं को याद रखता है जो प्रेम के लए ब लदान देते हैं।

प्रश्न 11. लीलाधर मंडलोई की क वताओं में छत्तीसगढ़ी लोकजीवन की कौन-सी वशेषताएँ दिखाई देती हैं?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई की क वताएँ छत्तीसगढ़ अंचल के लोकजीवन की मठास और सजीवता को दर्शाती हैं। उनकी रचनाओं में छत्तीसगढ़ की बोली, संस्कृति और जनसंघर्षों की झलक मलती है। वे गाँवों की आत्मा, लोकगीतों की धुन, और जनमानस की पीड़ा को सहज भाषा में प्रस्तुत करते हैं। लीलाधर मंडलोई की यही संवेदनशीलता उन्हें लोक से जोड़ती है और साहित्य को जीवंत बनाती है।

प्रश्न 12. लीलाधर मंडलोई के लेखन में लोककथाओं और लोकगीतों की क्या भूमिका है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई के लेखन में लोककथाएँ और लोकगीत न केवल सौंदर्य बढ़ाते हैं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना भी जगाते हैं। वे इन पारंपरिक वधाओं के माध्यम से समाज के मूल्यों, संघर्षों और आस्थाओं को सहेजते हैं। मंडलोई ने अपने क व-मन से इन वधाओं को आधुनिक संदर्भों में पुनर्स्थापित कया है, जिससे लोक परंपराएँ साहित्यिक वमर्श का अ भन्न हिस्सा बन जाती हैं।

प्रश्न 13. 'ततार्रा-वामीरो कथा' में प्रेम की शक्ति को कस प्रकार दर्शाया गया है?

उत्तर: 'ततार्रा-वामीरो कथा' में लीलाधर मंडलोई ने प्रेम को सामाजिक वद्वेष मटाने वाली शक्ति के रूप में चित्रित कया है। ततार्रा और वामीरो का ब लदान इस बात को सद्ध करता है क प्रेम में समाज को जोड़ने की ताकत होती है। यह कथा दर्शाती है क व्यक्तिगत भावनाएँ अगर सामाजिक भलाई के लए हों, तो वे प्रेरणास्रोत बन सकती हैं। मंडलोई की यह प्रस्तुति अत्यंत मा र्मक है।

प्रश्न 14. लीलाधर मंडलोई को प्रसारण में उच्च शक्षा के लए कैसे अवसर मला?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई को प्रसारण क्षेत्र में उनके योगदान के कारण वर्ष 1987 में कॉमनवेल्थ रिलेशंस ट्रस्ट, लंदन द्वारा उच्च शक्षा के लए आमंत्रित कया गया। यह अवसर उनकी रचनात्मक प्रतिभा और मी डया में

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (ततार्रा-वामीरो कथा)

दक्षता का प्रमाण था। इस उपलब्धि ने उन्हें दूरदर्शन में उच्च पदों पर कार्य करने का अवसर दिया, जहाँ उन्होंने साहित्य और प्रसारण के समन्वय को आगे बढ़ाया।

प्रश्न 15. 'काला पानी' कस प्रकार लीलाधर मंडलोई की गद्य लेखन क्षमता को दर्शाता है?

उत्तर: 'काला पानी' लीलाधर मंडलोई की गद्य लेखन की उत्कृष्ट मसाल है। यह कृति अंडमान-निकोबार की जनजातीय संस्कृति और सामाजिक जटिलताओं पर आधारित समाजशास्त्रीय अध्ययन है। मंडलोई ने यहाँ न केवल तथ्यात्मक जानकारी दी, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को भी संवेदनशीलता से चित्रित किया। यह रचना उनकी सूक्ष्म दृष्टि और व वध वषयों पर पकड़ को दर्शाती है।

प्रश्न 16. लीलाधर मंडलोई को कन प्रमुख कृतियों के लए जाना जाता है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई को उनकी प्रमुख कृतियाँ 'घर-घर घूमा', 'रात-बिरात', 'मगर एक आवाज़', 'देखा-अनदेखा' और 'काला पानी' के लए विशेष रूप से जाना जाता है। इन रचनाओं में उनकी काव्य-शक्ति, सामाजिक चेतना और व वध वधाओं पर पकड़ स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। लीलाधर मंडलोई का लेखन अनुभव, समाज और लोक-संस्कृति का सजीव दस्तावेज़ है।

प्रश्न 17. लीलाधर मंडलोई की भाषा-शैली को कैसे परिभाषित किया जा सकता है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई की भाषा-शैली सरल, सरस और पाठक से जुड़ाव रखने वाली है। वे आम बोलचाल की भाषा में गूढ़ वचार व्यक्त करते हैं। उनकी शैली में छत्तीसगढ़ी लोकभाषा की मठास और लयात्मकता है। यह शैली पाठकों को गहराई से प्रभावित करती है और रचनाओं को जीवंत बना देती है। मंडलोई की भाषा भाव, वचार और संवेदना का सुंदर संगम है।

प्रश्न 18. लीलाधर मंडलोई का क व-मन उन्हें कन वधाओं की ओर आकर्षित करता है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई का संवेदनशील क व-मन उन्हें लोककथा, लोकगीत, यात्रा-वृत्तांत, डायरी, मी डया लेखन, रिपोर्टाज और आलोचना जैसी वधाओं की ओर आकर्षित करता है। वे हर वधा में अपनी रचनात्मकता से जीवन की व वधता को चित्रित करते हैं। यह उनकी बहुआयामी प्रतिभा का प्रमाण है, जिससे उनका साहित्यिक दायरा अत्यंत व्यापक हो जाता है।

प्रश्न 19. लीलाधर मंडलोई की शिक्षा-दीक्षा का साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर: भोपाल और रायपुर में हुई लीलाधर मंडलोई की शिक्षा ने उन्हें व वध सामाजिक और सांस्कृतिक अनुभवों से परिचित कराया। इन अनुभवों ने उनके लेखन को गहराई और प्रामाणिकता दी। उनकी उच्च शिक्षा ने उन्हें वैश्विक दृष्टिकोण दिया, जब क स्थानीय परिवेश से जुड़ाव ने उनकी रचनाओं को लोक की जमीन पर मजबूती दी। शिक्षा और अनुभव का यह मेल उनकी रचनात्मकता को व शष्ट बनाता है।

प्रश्न 20. लीलाधर मंडलोई की रचनाओं में सामाजिक सरोकार कैसे दिखाई देते हैं?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई की रचनाओं में सामाजिक न्याय, जातीयता, सांस्कृतिक व वधता और मानवीय करुणा जैसे वषयों को प्रमुखता दी गई है। वे साहित्य को समाज का आईना मानते हैं और अपने लेखन में समाज की

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

वसंगतियों, संघर्षों और संवेदनाओं को स्थान देते हैं। उनकी रचनाएँ पाठकों को आत्ममंथन और सामाजिक चेतना के लिए प्रेरित करती हैं।

प्रश्न 21. लीलाधर मंडलोई ने 'तताँरा-वामीरो कथा' के माध्यम से कस सामाजिक समस्या को उजागर किया?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई ने 'तताँरा-वामीरो कथा' के माध्यम से द्वीप में व्याप्त सामाजिक वद्वेष को उजागर किया है। यह कथा दिखाती है क कैसे जातीय द्वेष और सामाजिक दूरी समाज को वभाजित करते हैं। तताँरा और वामीरो का ब लदान इस समस्या के समाधान का प्रतीक बनकर उभरता है। यह कहानी प्रेम, एकता और ब लदान के माध्यम से सामाजिक सद्भाव का संदेश देती है।

प्रश्न 22. कैसे कहा जा सकता है क लीलाधर मंडलोई के साहित्य में समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण मौजूद है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई का साहित्य समाज की गहराइयों में जाकर वहाँ के जीवन, संघर्ष और मनो वज्ञान को उजागर करता है। वशेषतः अंडमान-निकोबार की जनजातियों पर लखा गया उनका गद्य समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से भरपूर है। वे जीवन की जटिलताओं को सूक्ष्मता से समझते हैं और साहित्य के माध्यम से उन्हें मानवीय दृष्टिकोण से प्रस्तुत करते हैं। यह समाजशास्त्रीय संवेदनशीलता उनकी पहचान है।

प्रश्न 23. 'मगर एक आवाज़' लीलाधर मंडलोई की कस प्रकार की रचना है?

उत्तर: 'मगर एक आवाज़' लीलाधर मंडलोई की ऐसी काव्य-कृति है, जिसमें उनकी सामाजिक और आत्मीय दृष्टि का सुंदर समावेश है। इसमें मानव संघर्ष, सामाजिक अंतर्द्वंद्व, और आत्म-अ भव्यव्यक्ति की पुकार सुनाई देती है। इस संग्रह में वे शब्दों के माध्यम से समाज के भीतर की आवाज़ को उजागर करते हैं, जो सामान्यतः अनसुनी रह जाती है। यह संग्रह उनके रचनात्मक अनुभवों की परिणति है।

प्रश्न 24. लीलाधर मंडलोई के साहित्य में लोक संस्कृति की क्या भू मका है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई का साहित्य लोक संस्कृति का जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की बोली, लोकगीत, लोककथाओं और जनजीवन को अपने लेखन में स्थान दिया है। उनकी क वताओं और कहानियों में लोक के रंग, गंध और संवेदना गहराई से उभरते हैं। वे मानते हैं क लोक साहित्य समाज की आत्मा है, और उसे साहित्य में स्थान देना आवश्यक है।

प्रश्न 25. मी डया में लीलाधर मंडलोई की भू मका को आप कैसे देखते हैं?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई ने आकाशवाणी और दूरदर्शन में उच्च पदों पर कार्य कर साहित्य और मी डया के समन्वय को नई दिशा दी। उन्होंने साहित्यिक प्रस्तुतियों को जनसंचार माध्यमों के ज़रिए आमजन तक पहुँचाया। उनका यह योगदान यह सद्ध करता है क मी डया सर्फ सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना का वाहक भी बन सकता है।

प्रश्न 26. लीलाधर मंडलोई का साहित्य समाज में प्रेरणा कैसे जगाता है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई का साहित्य सामाजिक चेतना, संघर्षशीलता और मानवीय करुणा का संदेश देता है। उनकी रचनाएँ पाठकों को सोचने, समझने और समाज के लिए कुछ करने को प्रेरित करती हैं। वे दिखाते हैं क

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (ततार्रा-वामीरो कथा)

एक संवेदनशील लेखक समाज को दिशा दे सकता है। उनका साहित्य न केवल भावनात्मक, बल्कि वैचारिक रूप से भी प्रेरक है।

प्रश्न 27. 'ततार्रा-वामीरो कथा' को पढ़कर समाज में क्या बदलाव आ सकते हैं?

उत्तर: 'ततार्रा-वामीरो कथा' सामाजिक एकता और प्रेम की शक्ति का संदेश देती है। यह कहानी जातीय वद्वेष, सामाजिक भेदभाव और अलगाव के खिलाफ खड़ी होती है। यदि समाज इस कथा से प्रेरणा ले, तो साम्प्रदायिकता, जातिवाद और द्वेष कम कर जा सकते हैं। यह रचना पाठकों को मानवीय दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करती है।

प्रश्न 28. लीलाधर मंडलोई के लेखन से युवाओं को क्या सीख मिलती है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई का लेखन युवाओं को अपने समाज, संस्कृति और मूल्यों से जुड़ने की प्रेरणा देता है। वे दिखाते हैं कि साहित्य केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। युवा वर्ग उनसे लेखन के माध्यम से बदलाव लाने, भाषा से जुड़ने और अपनी जड़ों को पहचानने की प्रेरणा ले सकता है।

प्रश्न 29. लीलाधर मंडलोई की दृष्टि में साहित्य का उद्देश्य क्या है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई साहित्य को केवल मनोरंजन या सौंदर्यबोध तक सी मत नहीं मानते। उनकी दृष्टि में साहित्य सामाजिक बदलाव, जन-जागरण और मानवीय मूल्यों की स्थापना का माध्यम है। वे मानते हैं कि साहित्यकार को समाज की पीड़ा को समझकर उसे शब्दों में ढालना चाहिए, ताकि पाठक संवेदित होकर कुछ सकारात्मक सोच सकें और कर सकें।

प्रश्न 30. कैसे लीलाधर मंडलोई का लेखन सामाजिक दायित्व निभाने का उदाहरण है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई ने अपने लेखन के माध्यम से समाज के वंचित, उपेक्षित और हाशिए पर खड़े लोगों की आवाज़ को मुख्यधारा में लाया। उन्होंने साहित्य को केवल निजी भावनाओं तक नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व की पूर्ति तक पहुँचाया। उनकी हर रचना सामाजिक सरोकारों की झलक देती है, जिससे वे एक जिम्मेदार साहित्यकार सद्ध होते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न उत्तर (Extra Questions/Answers)

प्रश्न 1: लीलाधर मंडलोई का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई का जन्म 1954 की जन्माष्टमी को छिंदवाड़ा जिले के गाँव गुढी में हुआ था। वे हिंदी साहित्य के प्रसद्ध कवि और लेखक हैं।

प्रश्न 2: लीलाधर मंडलोई की प्रारंभिक शिक्षा कहाँ हुई?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई की प्रारंभिक शिक्षा भोपाल और रायपुर में हुई। उन्होंने प्रसारण की उच्च शिक्षा के लिए लंदन में अध्ययन किया।

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

प्रश्न 3: लीलाधर मंडलोई को लंदन क्यों आमंत्रित किया गया था?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई को 1987 में कॉमनवेल्थ रिलेशंस ट्रस्ट, लंदन द्वारा प्रसारण शिक्षा के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रश्न 4: लीलाधर मंडलोई वर्तमान में कौन-सा पद संभाल रहे हैं?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई इन दिनों प्रसार भारती दूरदर्शन के महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं।

प्रश्न 5: लीलाधर मंडलोई मूलतः कस वधा के रचनाकार हैं?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई मूलतः क व हैं। उनकी क वताओं में छत्तीसगढ़ की बोली और जनजीवन की सुंदर झलक मिलती है।

प्रश्न 6: लीलाधर मंडलोई की क वताओं की खास बात क्या है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई की क वताओं में छत्तीसगढ़ अंचल की मठास और वहाँ के जीवन का सजीव चित्रण मिलता है।

प्रश्न 7: लीलाधर मंडलोई ने कस जनजाति पर गद्य लिखा है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई ने अंडमान-निकोबार की जनजातियों पर समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण गद्य लिखा है।

प्रश्न 8: लीलाधर मंडलोई कन-कन वधाओं में लेखन करते हैं?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई क वता, लोककथा, लोकगीत, डायरी, रिपोर्टाज, आलोचना और यात्रा-वृत्तांत जैसे कई वधाओं में लिखते हैं।

प्रश्न 9: लीलाधर मंडलोई की प्रमुख कृतियाँ कौन-सी हैं?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई की प्रमुख कृतियाँ हैं: "घर-घर घूमा", "रात-बिरात", "मगर एक आवाज", "देखा-अनदेखा" और "काला पानी"।

प्रश्न 10: लीलाधर मंडलोई की लेखनी में लोक संस्कृति का स्थान कैसा है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई की लेखनी में लोक संस्कृति गहराई से रची-बसी है, जो उनकी रचनाओं को जीवंत और भावपूर्ण बनाती है।

प्रश्न 11: "तताँरा-वामीरो कथा" कसके द्वारा लिखी गई है?

उत्तर: "तताँरा-वामीरो कथा" प्रसिद्ध लेखक और क व लीलाधर मंडलोई द्वारा लिखी गई एक मार्मिक लोककथा है।

प्रश्न 12: "तताँरा-वामीरो कथा" का मुख्य संदेश क्या है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई की "तताँरा-वामीरो कथा" प्रेम और आत्मबलदान का संदेश देती है, जो समाज को जोड़ता है।

प्रश्न 13: लीलाधर मंडलोई की लेखनी में कस क्षेत्रीय भाषा की मठास है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई की लेखनी में छत्तीसगढ़ी भाषा की मठास और संस्कृति की गूँज सुनाई देती है।

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

प्रश्न 14: "काला पानी" कसकी रचना है?

उत्तर: "काला पानी" लीलाधर मंडलोई की प्रमुख गद्य कृतियों में से एक है, जो उनके संवेदनशील लेखन को दर्शाती है।

प्रश्न 15: लीलाधर मंडलोई को कौन-कौन से पुरस्कार मले हैं?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई को उनके साहित्यिक योगदान के लए कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

प्रश्न 16: लीलाधर मंडलोई की लेखन शैली कैसी है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई की लेखन शैली भावनात्मक, लोकभावनाओं से युक्त और समाज-सापेक्ष है, जो पाठकों को छू जाती है।

प्रश्न 17: लीलाधर मंडलोई की कहानियाँ पाठकों को क्यों पसंद आती हैं?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई की कहानियाँ लोक जीवन से जुडी होती हैं, जिसमें संवेदना, संघर्ष और सच्चाई होती है, इस लए पाठकों को पसंद आती हैं।

प्रश्न 18: "तताँरा" कैसा चरित्र है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई की कथा का पात्र तताँरा एक साहसी, नेक और लोकसेवी युवक है, जिसे सब आदर देते हैं।

प्रश्न 19: "वामीरो" कस कथा की पात्र है?

उत्तर: वामीरो, लीलाधर मंडलोई की प्रसिद्ध कथा "तताँरा-वामीरो कथा" की नायिका है, जो सुंदर स्वर और भावुकता से भरपूर है।

प्रश्न 20: लीलाधर मंडलोई की रचनाओं में समाज को क्या संदेश मलता है?

उत्तर: लीलाधर मंडलोई की रचनाएँ प्रेम, त्याग, साहस और सामाजिक समरसता का संदेश देती हैं, जो आज भी प्रासंगिक हैं।

बहु वकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. लीलाधर मंडलोई का जन्म कब हुआ था?

- A) 1947
- B) 1954
- C) 1965
- D) 1950

उत्तर: B) 1954

2. लीलाधर मंडलोई का जन्म कस गाँव में हुआ था?

- A) रायपुर

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

B) लपाती

C) गुढी

D) भोपाल

उत्तर: C) गुढी

3. लीलाधर मंडलोई की शक्षा कहाँ हुई?

A) दिल्ली और मुंबई

B) भोपाल और रायपुर

C) लंदन और पेरिस

D) कोलकाता और जयपुर

उत्तर: B) भोपाल और रायपुर

4. लीलाधर मंडलोई कस वभाग में महानिदेशक रहे हैं?

A) आकाशवाणी

B) प्रेस क्लब

C) प्रसार भारती दूरदर्शन

D) फिल्म डवीजन

उत्तर: C) प्रसार भारती दूरदर्शन

5. 'तताँरा-वामीरो कथा' कस स्थान पर आधारित है?

A) उत्तराखंड

B) कश्मीर

C) लटिल अंडमान

D) राजस्थान

उत्तर: C) लटिल अंडमान

6. लीलाधर मंडलोई की कौन-सी रचना उनकी क वता है?

A) काला पानी

B) घर-घर घूमा

C) रात-बिरात

D) उपरोक्त सभी

उत्तर: D) उपरोक्त सभी

7. तताँरा का व्यक्तित्व कैसा था?

A) क्रोधी और घमंडी

B) लोभी और चालाक

C) मददगार और आकर्षक

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (ततार्रा-वामीरो कथा)

D) डरपोक और कमजोर

उत्तर: C) मददगार और आकर्षक

8. ततार्रा हमेशा अपनी कमर में क्या बाँध कर रखता था?

A) लोहे की तलवार

B) लकड़ी की तलवार

C) छुरी

D) कुल्हाड़ी

उत्तर: B) लकड़ी की तलवार

9. ततार्रा की तलवार के बारे में लोगों की क्या मान्यता थी?

A) वह नकली थी

B) उसमें दैवीय शक्ति थी

C) वह चमकदार थी

D) वह टूटी हुई थी

उत्तर: B) उसमें दैवीय शक्ति थी

10. ततार्रा पहली बार वामीरो से कहाँ मला?

A) मंदिर में

B) मेले में

C) समुद्र किनारे

D) गाँव के चबूतरे पर

उत्तर: C) समुद्र किनारे

11. वामीरो किस स्थान से संबंध रखती थी?

A) लपाती गाँव

B) गुढी गाँव

C) कार-निकोबार

D) पोर्ट ब्लेयर

उत्तर: A) लपाती गाँव

12. ततार्रा ने वामीरो का गाना क्यों रुकवा दिया?

A) उसे अच्छा नहीं लगा

B) वह शोरगुल कर रहा था

C) वह मंत्रमुग्ध हो गया था

D) वह सो रहा था

उत्तर: C) वह मंत्रमुग्ध हो गया था

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (ततार्रा-वामीरो कथा)

13. वामीरो ने ततार्रा से सबसे पहले क्या पूछा?

- A) गाना क्यों रोका
- B) तुम कौन हो
- C) तलवार क्यों बाँधी है
- D) यहाँ क्यों आए हो

उत्तर: B) तुम कौन हो

14. ततार्रा ने अपना नाम कब बताया?

- A) शुरुआत में
- B) जब वामीरो चली गई
- C) अंत में
- D) उसने नाम नहीं बताया

उत्तर: C) अंत में

15. 'ततार्रा-वामीरो कथा' में कौन-सी भावना प्रमुख है?

- A) द्वेष
- B) लालच
- C) प्रेम और ब लदान
- D) ईर्ष्या

उत्तर: C) प्रेम और ब लदान

16. लेखक लीलाधर मंडलोई कस राज्य से संबंध रखते हैं?

- A) छत्तीसगढ़
- B) महाराष्ट्र
- C) पंजाब
- D) असम

उत्तर: A) छत्तीसगढ़

17. लीलाधर मंडलोई को लंदन में कसने आमंत्रित क्या था?

- A) बीबीसी
- B) यूनिसेफ
- C) कॉमनवेल्थ रिलेशंस ट्रस्ट
- D) ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी

उत्तर: C) कॉमनवेल्थ रिलेशंस ट्रस्ट

18. वामीरो कस प्रकार का गीत गा रही थी?

- A) भक्ति गीत
- B) वीर रस गीत

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

C) शृंगार रस गीत

D) वदाई गीत

उत्तर: C) शृंगार रस गीत

19. लीलाधर मंडलोई की क वताओं में कस बोली की मठास है?

A) अवधी

B) छत्तीसगढी

C) भोजपुरी

D) मारवाडी

उत्तर: B) छत्तीसगढी

20. तताँरा-वामीरो की कथा कस बात की प्रेरणा देती है?

A) हिंसा फैलाने की

B) डरकर जीने की

C) प्रेम, एकता और ब लदान की

D) आराम करने की

उत्तर: C) प्रेम, एकता और ब लदान की

पाठ 10: (तताँरा-वामीरो कथा) पर आधारित प्रश्न True or False (सही या गलत)

- तताँरा एक डरपोक और कमजोर लड़का था।

उत्तर: गलत

- वामीरो लपाती गाँव की रहने वाली थी।

उत्तर: सही

- तताँरा अपनी कमर में लोहे की तलवार बाँधता था।

उत्तर: गलत (वह लकड़ी की तलवार बाँधता था)

- तताँरा ने वामीरो का गाना सुनकर उसे रोक दिया था।

उत्तर: सही

- वामीरो ने तताँरा से पहले बात की थी।

उत्तर: सही

- तताँरा-वामीरो कथा एक लोककथा पर आधारित प्रेम कहानी है।

उत्तर: सही

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

- इस कहानी में द्वेष और घृणा का संदेश दिया गया है।
उत्तर: गलत
- तताँरा को अपनी तलवार में दैवीय शक्ति का विश्वास था।
उत्तर: सही
- लेखक लीलाधर मंडलोई मूल रूप से असम राज्य से हैं।
उत्तर: गलत (वे छत्तीसगढ़ से हैं)
- तताँरा पहली बार वामीरो से मंदिर में मिला था।
उत्तर: गलत (समुद्र किनारे मिला था)
- वामीरो सुंदर और गाने में निपुण थी।
उत्तर: सही
- तताँरा और वामीरो की कहानी केवल द्वीप वासियों तक सीमित रही।
उत्तर: गलत (उनकी प्रेमकहानी लोककथा बन गई)
- तताँरा गाँव के लोगों का प्रिय पात्र था।
उत्तर: सही
- वामीरो ने तताँरा का नाम तुरंत पूछ लिया था।
उत्तर: सही
- कहानी में तताँरा और वामीरो का विवाह हुआ था।
उत्तर: गलत
- लेखक ने यह कहानी अंडमान निकोबार की लोककथा से प्रेरित होकर लिखी है।
उत्तर: सही
- तताँरा बहुत चालाक और कपटी व्यक्ति था।
उत्तर: गलत
- वामीरो गाने के दौरान अकेली थी।
उत्तर: सही
- लेखक ने इस कहानी में समुद्री जीवन का सजीव चित्रण किया है।
उत्तर: सही
- 'तताँरा-वामीरो कथा' में प्रेम, त्याग और समर्पण की भावना झलकती है।
उत्तर: सही

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (ततार्रा-वामीरो कथा)

पाठ 10: लीलाधर मंडलोई (ततार्रा-वामीरो कथा) पर आधारित - रिक्त स्थान भरिए:-

- ततार्रा और वामीरो की कथा _____ द्वीप की लोककथा पर आधारित है।
उत्तर: लपाती
- वामीरो _____ गाँव की रहने वाली थी।
उत्तर: लपाती
- ततार्रा अपनी कमर में _____ की तलवार बाँधा करता था।
उत्तर: लकड़ी
- वामीरो को _____ का बहुत शौक था।
उत्तर: गाने
- ततार्रा ने वामीरो को गाते हुए _____ कनारे देखा था।
उत्तर: समुद्र
- वामीरो ने ततार्रा से उसका _____ पूछा था।
उत्तर: नाम
- वामीरो ने ततार्रा को _____ कहा था।
उत्तर: प्यारा
- ततार्रा को अपनी तलवार में _____ शक्ति का विश्वास था।
उत्तर: दैवीय
- यह कहानी _____ और वामीरो के प्रेम की कहानी है।
उत्तर: ततार्रा
- ततार्रा गाँव का एक _____ युवक था।
उत्तर: निर्भय साहसी
- लेखक लीलाधर मंडलोई ने इस कहानी में _____ द्वीपों की संस्कृति दर्शाई है।
उत्तर: अंडमान-निकोबार
- वामीरो की आवाज _____ जैसी मधुर थी।
उत्तर: कोयल
- ततार्रा ने वामीरो को गाना _____ को कहा था।
उत्तर: बंद

Ncert Solutions of पाठ 10 लीलाधर मंडलोई (तताँरा-वामीरो कथा)

- कहानी के अनुसार, तताँरा और वामीरो की प्रेमकथा एक _____ बन गई।
उत्तर: लोककथा
- वामीरो ने तताँरा को _____ का संकेत दिया।
उत्तर: प्रेम
- तताँरा वामीरो की सुंदरता से _____ गया था।
उत्तर: मोहित
- लेखक ने कहानी में _____ और प्रेम का संदेश दिया है।
उत्तर: त्याग
- तताँरा की तलवार असली न होकर _____ की बनी थी।
उत्तर: लकड़ी
- वामीरो ने तताँरा को देखकर _____ से पूछा था क वह कौन है।
उत्तर: सीधे
- इस कथा में _____ की लोकसंस्कृति का सजीव चित्रण है।
उत्तर: द्वीपवा सयों